

7,22. KIR. 6, 47. KHANDOM. 158. आस्य KATHĀS. 46, 76. Wasser, Meer MBu. 16, 141. HARIV. 5006 (निःशब्द°). RAGH. 12, 36. MĀLATĪM. 50, 13. KATHĀS. 52, 330. 101, 186 (निःशब्द°). BṬĀG. P. 10, 33, 7. 11, 8, 5. आकाश MBu. 12, 6812. वायु Comm. zu ĠAIM. 1, 14. किरण Verz. d. Oxf. H. 108, 6, 1. Lampen RAGH. 16, 4. 19, 42. RĀGA-TAR. 2, 44. वलय Spr. (II) 6044. Nacht MBu. 3, 2537 (निःशब्द°). HARIV. 4130. 15230 (भूका an beiden Stellen). कृदय MĀLATĪM. 12, 2. मनस् KUMĀRAS. 2, 59. SĀH. D. 83, 5. BṬĀG. P. 11, 26, 23. स्तिमितकदशेन्द्रिय 10, 13, 56. अक्षरात्मन् Verz. d. B. H. 194(36). समाधि KIR. 10, 62. स्तिमितम् adv.: स्तिमितं गन्तुमारभे तदा गोदावरी नदी R. 3, 52, 12 (46, 8 ed. Bomb.). स्तिमितस्थित KATHĀS. 112, 67. MĀLATĪM. 16, 5. RĀGA-TAR. 5, 481. n. Stille, Unbeweglichkeit: सागर° MBu. 5, 5704. स्तिमितव n. dass. MĀLATĪM. 47, 2. — 2) nass AK. 3, 2, 55. TRIK. H. 1492. H. an. MED. स्तिमितवस्त्रमिवाङ्गलम् KĀURAP. 21. — Vgl. तिम्, स्तिया, स्तीम, स्त्या.

स्तिमितय् (von स्तिमित), यति unbeweglich machen: कुरङ्गीवाङ्गानि KĀVJAPR. 144, 10.

स्तीया (von स्त्या) f. träges —, stehendes Wasser NAIGH. 4, 3. NIR. 6, 17. वृषा सिन्धूना वृषभः स्तियानाम् RV. 6, 44, 21. 7, 5, 2.

स्तीम्, स्तीम्पति = स्तिम् DuĪTUP. 26, 17.

स्तीम (von स्त्या) adj. (f. स्त्री) träge, schleichend: घृप्सु स्तीमानु वृद्धासु AV. 11, 8, 34. — Vgl. विष्टीमिन्, welches vielleicht sich verdichtend heisst.

स्तीर्ण 1) adj. s. u. 1. स्तरः — 2) m. N. pr. einer Gruppe von Kholden im Gefolge Ġiva's RĒVĀMĀH. 29 in Journ. of the Am. Or. S. 6, 523.

स्तीर्णवर्हिम् adj. derjenige dessen Opferstreu gebreitet ist RV. 5, 37, 2. Opfer 10, 21, 1. VS. 13, 49.

स्तीर्णव UNĀDIS. 4, 54. m. = घृधुर्ण UśĠVAL. ausserdem = नभस्, रुधिर, तृणजाति, पयस् und शत्रु UNĀDIR. im SĀMKSHTAS. nach ÇKDR.

1. स्तु, स्तौति NAIGH. 3, 14. DuĪTUP. 24, 34. Formen aus der älteren Sprache; act.: स्तुमि, स्तुत, स्तुवन्, स्तुवन्, स्तुयुस् LĀTJ. 1, 11, 27. स्तोत 2. pl. RV. 8, 1, 1. स्तैवा 1. sg. 2, 11, 6. स्तैवाम, स्तवय, स्तैवत्, स्तोत् 7, 42, 6. स्तोषन्, स्तोषम् 1, 187, 1. स्तोषाम, स्तोषाणि 10, 88, 3. स्तुष्टवम् 3, 53, 12. तुष्टवत् 8, 8, 16. तुष्टाव, तुष्टवुस्, तुष्टवामस्, स्तविष्यति, स्तोष्यति, स्तोष्यत्. med.: स्तवे 3. sg. 1, 92, 7. स्तैवते 3. sg. 2, 24, 1. स्तुते 3. sg. BṬĀH. स्तुवते, स्तवान्, स्तैवान् (mit passiver Bed. RV. 1, 12, 11. 31, 8. 7, 36, 5). स्तैवमान, स्तुवीत, स्तुवीमहि, स्तुवीरन्, स्तुषै 1. sg. und 3. sg. 1, 122, 7. अस्तोषि 1. अस्तोष्ट 77, 5. अस्तोषत 82, 2. तुष्टविर, तुष्टवान् 7, 51, 3. स्तविष्यते, स्तविष्यमाण, स्तोष्यामहे, स्तोष्यमाणः स्तैतवे, स्तुवा, स्तवैधौ 7, 37, 1. 8. pass.: स्तूयते, स्तूयमान, अस्तावि; partic. स्तुते (ष्टुत P. 8, 3, 105). loben, preisen, lobsingen, lobend aussprechen: अस्तौव्यग्रिर्के RV. 1, 141, 13. स्तुषे वीमश्विना वृहत् 46, 1. स्तोत्रियाः ÇAT. BR. 14, 6, 1, 12. तम् स्तुष इन्द्रं तं गुणाषि RV. 2, 20, 4. गुणाना जमदग्निवत्स्तुवाना च वसिष्ठवत् 7, 96, 3. स्तुवङ्गसुन्दरविणं सद्यः श्रौप 4, 51, 7. सुते सेमि स्तुमसि शंसङ्कथा 6, 23, 5. 29, 4. 62, 5. अस्तौवि मन्म VĀLAKH. 4, 9. RV. 7, 18, 18. वयं ते तं इन्द्रं ये च देव स्तवन्त 30, 4. स्तुवते रसि वाङ्मन् 95, 6. अयि षुतः सविता देवो अस्तु 38, 3. AV. 5, 11, 11. AIT. BR. 3, 42. विश्वामित्रः पुत्रास्तुष्टाव 7, 18. AV. 4, 23, 7. 13, 2, 2. कामं स्तुवोदकं भिदेयम् 9, 2, 2. Im Ritual vom Vortrag des Sāman-Sängers (mit loc. des

Textes, aus welchem das Sāman gebildet ist): सगभिः शंसन्ति यनुभिर्भ्य-जन्ति सामभिः स्तुवन्ति NIR. 13, 7. AIT. BR. 3, 1. अघोपीषु सामगाः स्तुवते 4. यक्षाय गृहीताय स्तुवते ऽथ शंसति ÇAT. BR. 8, 1, 3, 3. 2, 4, 6. 4, 2, 3, 12. 5, 3, 4. 6, 6. सर्पराज्ञ्या ऋतु 9, 17. 8, 1, 3, 4. न वै ब्रह्मा प्रचरति न स्तुते न शंसति 5, 5, 5, 16. KĀTJ. ÇR. 20, 5, 5. ÇĀNKH. ÇR. 12, 9, 8. 18, 2, 3. नवर्च 4. 23, 9. स्तोत्रे स्तुते 14, 32, 14. वैद्वेषा LĀTJ. 3, 5, 3. मानसेन 8, 1. शक्वा-रुमिः 10, 2, 11. KHAND. UP. 1, 3, 8. 10. 12. — स्तुतं n. Lob RV. 7, 56, 15. so v. a. स्तोत्र, स्तुतशस्त्राणि ÇAT. BR. 10, 3, 5, 2. AIT. BR. 2, 38. 3, 39. TS. 3, 2, 7, 1. 2. 7, 3, 13, 1. ĀÇV. ÇR. 6, 10, 27. KHAND. UP. 3, 17, 3. — Aus der klassischen Sprache haben wir folgende Formen zu verzeichnen (Bed. loben, preisen): स्तौति P. 7, 3, 95. VOP. 9, 53. MĀKĀH. 113, 11. 16. स्तौ-षि Spr. (II) 7580. स्तौमि BṬĀG. P. 7, 13, 42. PAÑĀR. 1, 1, 7. स्तवोति P. 7, 3, 95. VOP. 9, 53. स्तवीमि ÇAT. BR. 13, 1. स्तुमस् Spr. (II) 2926. स्तुवन्ति BHAG. 11, 21. MBu. 3, 13499. 13, 1271. 1276. R. GORR. 2, 26, 14. PAÑĀR. 1, 1, 7. स्तुवन्ति BṬĀG. P. 12, 3, 1 (PRAÇNOP. 2, 4 vielleicht nur Druckfehler). स्तुहि MBu. 1, 721. 2, 1526. BHAT. 8, 92. स्तुथ 7, 86. स्तुवन्तु Spr. (II) 3723. अस्तुवत् MBu. 4, 178. MĀRK. P. 106, 50. अस्तौत् BṬĀG. P. 3, 8, 33. 9, 8, 20. PAÑĀT. 175, 24. अस्तुवन् MBu. 13, 875. R. 1, 36, 20. स्तुवन् MBu. 3, 13498. R. 2, 26, 12. 63, 3. Spr. (II) 3366. तुष्टाव MBu. 1, 2096. R. 1, 31, 10. MĀRK. P. 23, 29. WEBER, RĀMAT. UP. 350. BṬĀG. P. 1, 9, 31. तुष्टव, तुष्टुम P. 7, 2, 13. VOP. 8, 57. 9, 53. तुष्टुवस् R. 1, 14, 46. 45. 42. तुष्टुवद्विम् VARĀH. BRH. S. 43, 60. स्तविता und स्तोता VOP. 8, 79. 9. 53. अस्तावीत् P. 7, 2, 72. VOP. 8, 96. 9, 53. अस्तौषीत् HARIV. 7109. BṬĀG. P. 6, 4, 22. अस्तौषम् MBu. 3, 16896. अस्ताविषुम् BHAT. 15, 70. स्तूयात् P. 7, 4, 25. Schol. अस्तौष्यत् BHAT. 21, 3. med.: स्तुवे Spr. (II) 2926, v. l. स्तुवीत BṬĀG. P. 3, 31, 11. स्तुधम्, अस्तुधम् P. 8, 3, 78. Schol. अस्तोष्ट P. 7, 2, 72. Schol. VOP. 9, 53. स्तोष्यते 25, 30. स्तोष्ये HARIV. 10235. 10672. MĀRK. P. 23, 30. स्तोतुम् HARIV. 6297. R. GORR. 2, 11, 21. BṬĀG. P. 4, 15, 20. स्तुवा 3, 9, 26. 6, 19, 15. 8, 16, 42. BRAHMA-P. in LA. (III) 53. 20. pass.: स्तूयसे (so ed. Bomb.) MBu. 4, 192. स्तूयमान 1, 7655. 3, 1766. 5, 7106. 7339. 12, 10363. 13, 1271. 1276. R. 5, 3, 3. RĀGA-TAR. 4, 50. तु-ष्टुवे, स्तविता und स्तोता, अस्तावि, अस्ताविषाताम् und अस्तौषाताम्, स्ताविष्यते und स्तोष्यते, अस्ताविष्यत und अस्तौष्यत, स्ताविषोष्ट und स्तोषोष्ट VOP. 24, 2. 3. स्तुत AK. 3, 2, 59. MBu. 12, 10363. TRIK. 1, 1, 1. WEBER, RĀMAT. UP. 350. प्रवृत्तानुलोममारुतस्तुतमङ्गल als Lob hergesagt KĀM. NITIS. 16, 32; vgl. अरिष्टुत, ऋषि° (°ष्टुत MBu. 13, 1013 ed. Calc., °स्तुत ed. Bomb.), ड°, पुरु°, यथास्तुतम्, मुष्टुत. — स्तुतवत् = स्तुत HARIV. 6299.

— caus. स्तवयति loben, preisen BṬĀG. P. 4, 15, 23. स्तावयते loben lassen 24.

— desid. तुष्टुषति P. 8, 3, 61. Schol. zu 1, 2, 9. 6, 4, 16. VOP. 19, 17. zu loben —, zu preisen beabsichtigen: तुष्टुषित ÇĀNKH. zu BRH. ĀR. UP. S. 130.

— intens. तोष्टुयते Schol. zu P. 7, 4, 25.

— अति mehr (über die Zahl) besingen PAÑĀV. BR. 9, 3, 7. fgg. LĀTJ. 2, 1, 6.

— अनु VS. PRĀT. 3, 70. beloben, laudibus prosequi RV. 5, 73, 4. तमस्य मङ्गिमानमनु षुवन्ति पूर्वथा 8, 3, 8. 18, 6. — Vgl. अनुष्टुति.

— अभि, °ष्टौति, अभ्यष्टौत् u. s. w. P. 8, 3, 63. 65. VOP. 8, 45. 9, 53. auch अभ्यस्तौत् KĀC. zu P. 8, 3, 119. Lob richten an (acc.), preisen: इ-